दिनांक 11 फरवरी 2013 को आयोजित अध्ययन परिषद की बैठक का कार्यवृत्त

बी0 ए0 ज्योतिष द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

आज दिनांक **11/02/2013** को बी0ए0ज्योतिष द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल चार प्रश्न पत्रों के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु **प्रो. एच.पी.शुक्ल कुलपति** की संरक्षकता एवं अध्यक्षता तथा विभाग समन्वयक डॉ देवेश कुमार मिश्र की संयोजकता एवं ज्योतिष विषय के अध्यापक श्री नन्दन कुमार तिवारी की दो बाह्य विशेषज्ञों की उपस्थिति के साथ बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में संस्तुत तथ्य इस प्रकार हैं –

1. बी0ए0 ज्योतिष द्वितीय वर्ष के दो प्रश्न पत्रों का नाम निर्धारित कर उसके पाठ्यक्रम को इकाईयों में विभाजित कर संस्तुति प्रदान की गई।
2. बी0ए0 ज्योतिष तृतीय वर्ष के दो प्रश्न पत्रों का नाम निर्धारित कर उसके पाठ्यक्रम को इकाईयों में विभाजित कर संस्तुति प्रदान की गई।
3. उक्त प्रश्न पत्रों के लेखन हेतु बाह्य विशेषज्ञों की सूची संस्तुत की गई।
4. ज्योतिष विषय में प्रश्न – पत्रों के निर्माण हेतु प्राश्निकों की सूची भी संस्तुत की गई।
5. उक्त अध्ययन परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया की स्नातक कक्षा में संचालित पाठ्यक्रम में कोई भी छात्र एक विषय के रूप में ज्योतिष विषय का चुनाव कर सकता हैं जिसके साथ संस्कृत विषय का अध्ययन अनिवार्य होगा, इसी आधार पर भविष्य में ज्योतिष परास्नातक (एम.ए.ज्योतिष) पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाएगा।
6. प्रस्तुत बैठक में यह भी निर्णीत हुआ की ज्योतिष विषय के इस निर्मित पाठ्यक्रम को कुलपति महोदय से आदेश प्राप्त कर विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अंकित कर दिया जाए।
7. उक्त पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार यथासम्भव संशोधन एवं परिवर्धन हेतु विभाग समन्वयक को अधिकृत किया गया कि विद्याशाखा के वर्तमान निदेशक की अनुमति प्राप्त कर संबंधित कार्य कर सकते हैं।
8. विभाग समन्वयक को अधिकृत किया गया कि इकाई लेखकों एवं प्राश्निकों की संस्तुत सूची में आवश्यकतानुसार नवीन नामों का समायोजन भी कर सकते हैं।

Scanned by CamScanner

9. इस अध्ययन परिषद में विचार विमर्श के पश्चात् यह निर्णय लिया गया की उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से बी0ए0 तीनों वर्ष में ज्योतिष विषय का अध्ययन किया हुआ छात्र किसी अन्य विश्वविद्यालय या महाविद्यालय के एम.ए./ आचार्य ज्योतिष के पाठ्यक्रम में प्रवेश पा सकता हैं।

10. स्नातक कक्षा में ज्योतिष विषय को एकल विषय के रूप में संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई।

11. विभाग समन्वयक संस्कृत ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड डॉ. देवेश कुमार मिश्र तथा विभागीय अध्यापक श्री नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हुए अध्ययन परिषद का समापन किया गया।

हस्ताक्षर -

1. प्रो. एच. पी. शुक्ल – कुलपति, निदेशक भाषाविद्या शाखा –

2. प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी – 11/2/13

3. प्रो. वासुदेव शर्मा – 11.2.13

4. डॉ. देवेश कुमार मिश्र – Devesh 11.2.13

5. श्री नन्दन कुमार तिवारी – NKTiwari 11/02/13

6. डॉ. संगीता वाजपेयी – S. Bajpai

Scanned by CamScanner